वार्षिक प्रगति रिपोर्ट अप्रैल 2021 से मार्च 2022

राजसमन्द महिला मंच

राजसमन्द जन विकास संस्थान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन |

स्कुल में किशोरियों को बाल विवाह के प्रति जागरूक करते हुए |

पता :- राजसमन्द जन विकास संस्थान विकास केंद्र, नाथद्वारा रोड, सोमनाथ चोराहा कांकरोली -313324, जिला (राजसमन्द) भारत

E-mail :- **rjvs10yahoo.in**

Telephone:- landline +91-(2952)221909

website:-www.rjvs.in

Facebook:-rajsamand jan vikas sansthan

Instagram:-rajsamndjanvikassansthan

twitter:-rajsamandjanvikassansthan

राजसमन्द जन विकास संस्थान

राजसमन्द जिला OBC बाहुल्य जिला होने पर भी यंहा पर महिलाओं की शिक्षा का स्तर अच्छा नही है |जिले में अन्धविश्वास और अन्य कुरूतियो का भार महिलाओं को ढोना पड रहा है | महिलाओं की सामाजिक आर्थिक,शेक्षणिक और राजनेतिक स्थिति को सुधरने व महिलाओ का सशक्तिकरण करने के लिए सन 2003 में राजसमन्द जन विकास संस्थान की स्थापना की गई | | संस्था समाज में महिलाओ के साथ हो रही असमानता और भेदभाव को दूर करने एवं मुख्य रूप से पिछड़े व् गरीब वर्ग की महिलाओ पर जाति, वर्ग लिग के आधार पर हो रहे अत्याचारों से निजात दिलवाने के लिए कड़ा संघर्ष कर रही है और समाज में उन्हें सम्मान के साथ बराबरी का दर्जा दिलवाने का प्रयास कर रही है | विकास में महिलाओ की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए उन की समस्याओ के समाधान के लिए जनमत बनाकर जिला स्तर पर 1998 से महिला मंच संगठन का भी गठन किया था ,जिससे क्षेत्र में महिलाओ के पक्ष में आवाज बुलन्द हुई है | सरकार द्वारा जमीन देकर एवं एवं जापान एम्ब्सी द्वारा फंड देकर वर्ष 2015 में महिला प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गयी | आज इसी केंद्र में संस्थान द्वारा कई परियोजनाए संचालित की जा रही है जिनके द्वारा जिले व् राज्य में महिला हक मुद्दों पर कार्य किया जा रहा है | ताकि वो जागरूक होकर सम्मान व् न्याय के लिए आवाज उठा सके |

राजसमन्द जन विकास संस्थान के उद्देश्य

- गाँव ,तहसील ,जिला स्तर पर महिलाओ ,युवाओ को संगठित कर शक्तिशाली बनाना
- विकास प्रक्रिया में महिलाओ की भागीदारी बढ़ाना |
- महिला हिंसा के वास्तविक कारण जैसे –बाल विवाह ,नाता प्रथा ,दहेज प्रथा डायन प्रथा अशिक्षा जैसी सामाजिक कुरूतियो को खत्म करने के लिए जानकारी प्रदान करना है |
- गरीब महिलाओं के आर्थिक विकास हेतु आय संवर्धन के लिए क्रियाये चलाना

राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा संचालित परियोजना

1.जागृति परियोजना

•जागृति परियोजना के सहयोग से सन 2015 से बाल विवाह व जबरन विवाहों की संख्या में कमी लाना, किशोर-किशोरियों को सशक्त करना और शिक्षा के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रही है |

2.महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र

•महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र (mssk) :- राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा राज्य महिला अधिकारिता विभाग (राजस्थान सरकार) के सहयोग से जिला स्तर पर हिंसा से पीड़ित महिलाओं को राहत पहुचाने का कार्य वर्ष 2015 से संचालित कर रही है|

3.100% टीकाकरण

•अजीम प्रेम जी फाउंडेशन के सहयोग से राजसमन्द जिले की 4 PHC में राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा टीकाकरण का कार्य सफलता पूर्वक किया गया |

4.एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना :- एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना के अंतर्गत सर्वे कार्य किया गया | जिसमे 50 परिवार की सर्वे की जो दुसरे जिले से कुछ महिनो के लिए मजदूरी करने आते है | उनका पता करना था की क्या उन्हें उनके राज्य व जिले के राशन कार्ड से खाद्य सामग्री मिल रही है या नही |इस विषय को लेकर एक राष्ट्र एक

5.तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम :- संस्थान द्वारा 5 पंचायतो में तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम चलाया गया | जिसमे संस्था के द्वारा पांचो पंचायतो के सरपंच व सचिव के सहयोग से ग्राम सभा में प्रस्ताव, आदेश व नोटिस निकालकर लोगो को जागरूक किया गया |

1. जागृति परियोजना

परियोजना दृष्टी :- संस्था द्वारा किशोर – किशोरी लडकियों को शिक्षित, जागरूक और मजबूत करके उनको अपने निर्णय लेने के लिए सशक्त करना ताकी वो अपनी शिक्षा नोकरी और विवाह के लिए स्वयं निर्णय ले सके |

कुल कार्य क्षेत्र

क्र.स.	ब्लाक	पंचायत	गाँव
1	5	32	54

जगृति परियोजना के अंतर्गत किये गए कार्य

- बाल वधुओ और गर्भवती, धात्री महिलाओ के साथ स्वास्थ्य समन्धित जानकारी पर कैम्प का आयोजन |
- तीन दिवसीय आवासीय किशोर क्षमतावर्धन प्रशिक्षण |
- पिता पुत्री संवाद का आयोजन |
- युवा महोत्सव का आयोजन |
- 16 दिवसीय अभियान का आयोजन |
- लोगो को सरकारी योजनाओ से लाभान्वित करना |

AJWS द्वारा COVID-19 में जीवन बचाने की कोशिश

- **110 बालिकाओं व महिलाओं को सेनेटरी नेपकिन वितरण** किया गया
- 300 गरीब जरूरत मंद लोगो को राशन वितरण किया गया |
- राजसमन्द जिले के 6 ब्लॉक के 120 गाँवो में 251 जगहों पर कोरोना वेक्सिन जागरूकता को लेकर नारा लेखन का कार्य किया गया |

तीन दिवसीय आवासीय किशोर क्षमतावर्धन प्रशिक्षण - |

कार्यशाला का उद्देश्य -किशोर-किशोरियों को सशक्त करना | उनमे शिक्षा, खेल, रिश्ते, विवाह के लिए निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना | प्रशिक्षण में निम्न उद्देश्य को ध्यान में रखकर विभिन्न खेल तरीको से प्रशिक्षणदिया गया संसथान निदेशिका शंकुतला पामेचा द्वारा संगठन की आवश्यकता उपयोगिया और ढांचे की जानकारी दी गयी| अरविन्द पामेचा द्वारा संघठन के नेतृत्व करता व उसकी भूमिका रोल जिम्मेदारी संप्रेक्षण की उपयोगिता परिवार और

पिता पुत्री संवाद

पिता पुत्री संवाद एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ,जिसमे 4 ब्लाक के 57 सहभागियों ने भाग लिया |

कार्यशाला का उद्देश्य:-

पिता पुत्री संवाद द्वारा किशोरियों व उनके पिता के विचारो का आदान

युवा महोत्सव बदलाव की कहानी :- यह एक सांस्क्रतिक कार्यक्रम है जिमसे वर्ष वार में किये गए कार्यो का प्रस्तुतिकरण किया जाता है | इस वर्ष युवा महोत्सव एक विशेष थीम "म्हारी बोली,मारो अधिकार" के साथ मनाया गया |

कार्यक्रम में संस्थान के युवा नेतृत्व कर्ता किशोर किशोरियों के बदलाव की कहानी बताई गई एवं कोविड-19 जागरूकता अभियान व समाज में व्याप्त विभिन्न कुरूतियो के उपर किशोर

युवा महोत्सव

16 दिवसीय अभियान :- दिनांक 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक प्रतिवर्ष महिलाओ और लडकियों के साथ होने वाली हिंसा के विरुद्ध में एक पखवाड़े तक किया जाता है | गाँवो में संस्था संगठन के कार्यकर्ताओ द्वारा विभिन्न मुदो पर जानकारी देकर समुदाय के लोगो की समझ को

16 दिवसीय अ

AJWS द्वारा कोरोना काल में जीवन बचाने की

सेनेटरी नेपकिन वितरण–कोविड 19 महामारी के तहत लोकडाउन में ग्रामीण बालिकाओ व महिलाओ में आवागमन उपलब्ध नही होने व आर्थिक स्थिति को देखते हुए महिलाओ व किशोरियों को सेनेटरी नेपकिन उपलब्ध होना बहुत कठिन हो गया था | महिलाओ व किशोरियों के स्वास्थ्य को देखते हुए और उनकी परेशानियों को ध्यान में रखते हुए राजसमन्द जन विकास संस्थान व महिला मंच कार्यकर्ताओ द्वारा राजसमन्द जिले के खमनोर, राजसमन्द, देवगढ़ में 110 किशोरियों व महिलाओ को सेनेटरी नेपकिन वितरण किये |

किशोरी बालिकाओ को सेनेटरी नेपकिन वितरित करते हुए |

कोरोना काल में शहरी क्षेत्र के 300 गरीब ज रूरत मंद लोगो को राशन

कोरोना काल में ग्रामीण क्षेत्र के 1055 गरीब जरूरत मंद लोगो को राशन वितरण किया गया

राजसमन्द जिले के 6 ब्लॉक के 56 गाँवो में 251 जगहों पर कोरोना वेक्सिन जागरूकता को लेकर नारा लेखन का कार्य किया गया |

नारा लेखन से कर रहे कोरोना पर जागरूक

राजसमंद. माहमारी के दौर में लोगों में जागरुकता लाने के लिए राजसमन्द जन विकास संस्थान के जागृति कार्यक्रम के द्वारा कोरोना जागरुकता के लिए नारा लेखन का कार्य किया जा रहा है। संस्थान की निर्देशिका शकुन्तला पामेचा ने बताया कि यह कार्य जिले की 6 तहसील के 60 गांवों में किया जा रहा है। प्रत्येक पंचायत में नारे लेखन कार्य का मुख्य उद्देश्य टीकाकरण के लिए जनमानस में जागरूकता लाना और कोरोना गाइड लाइन का पालन करवाना है। इसके तहत सभी गांवों में 5 तरह के अलग-अलग नारों को लिखवाया जा रहा है।

कुल किशोर –किशोरी बैठके :-

किशोर बैठक	कुल किशोर सहभागी	किशोरी बैठक	कुल किशोरी सहभागी
39	460	99	1660

- बैठको के द्वारा 460 किशोरों व 1660 किशोरियों को जागरूक किया गया |

जागृति परियोजना की उपलब्धिया :-

- कोरोना काल में 110 किशोरियों को सेनेटरी नेपकिन वितरित किये गए |
- कोरोना काल में 300 शहरी व 1055 ग्रामीण क्षेत्र के जरूरत मन्दो को राशन वितरित किया गया |
- कोरोना काल में 1288 लोगो को वेक्सिन लगवाई गई |
- सन 2019 से वर्ष 2022 तक राजसमन्द,रेलमगरा,खमनोर ब्लॉक की 25 पंचायतो के 41 गाँव के 1196 व्यक्तियों को सरकारी योजना से लाभान्वित किया गया |

उद्देश्य :-

- महिलाओं के साथ हो रही आर्थिक, शारीरिक, मानसिक, योनिक हिंसा रोकने में उचित सहयोग व मार्गदर्शन व कार्यवाही करना |
- महिलाओं को अपने अधिकारों की जानकारी देना व

महिला सलाह सुरक्षा केंद्र :-

राजसमन्द जन विकास संस्थान द्वारा वर्ष 2015 से महिला सलाह सुरक्षा केंद्र का संचालन महिला थाने में

स पति सुधर जाएं, पुलिस से चाहती है समझाइ

महिला सुरक्षा केंद्र ने भी करवाए 273 राजीनामे

महिला थाने में संचालित महिला सुरक्षा एंव सलाह केंद्र ने भी पति-पत्नी के आपसी विवाद होने पर काउंसलिंग करते हुए दो साल में 273 परिवारों को एक साथ रहने के लिए राजीनामा करवाएं हैं। केंद्र की संचालिका जशोदा सोनी ने बताया कि वर्ष 2020 व 2021 में केंद्र के पास 625 परिवाद आए, जिसमें केंद्र की सदस्य जशोदा सोनी व संगीता चौधरी ने काउंसलिंग करते हुए 273 दंपती को वापस एक साथ रहने के लिए राजी किया।

महिला पुलिस थाने में कोई भी महिला रिपोर्ट दर्ज करवाती है तो पुलिस परिवा दर्ज करते हुए दो से तीन बार दोनों पक्षों को थाने पर बुलाकर काउंसलिंग करती है जिसे दोनों परिवारों में पुलिस की मध्यस्थता से समझाइस की जाकर वापस मिलाने का प्रयास करते हैं।
शिवलाल बैरवा, एएसपी राजसम

महिला हिंसा के आंकड़े (नवम्बर 2015 से मार्च 2022)तक :-

कुल परिवाद	निस्तारित	प्रक्रियाधीन
1681	1658	23

महिला हिंसा के आंकड़े (अप्रैल2021 से मार्च 2022)तक :-

कुल परिवाद	निस्तारित	प्रक्रियाधीन
294	163	23

अजीम प्रेम जी के सहयोग से 100% टीकाकरण

100% टीकाकरण :- टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था द्वारा शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करके कोविड - 19 के टीकाकरण कार्यक्रम में ग्रामीण लोगो के चार PHC सेंटर पर डॉक्टर ,नर्स, आशा, सरपंच इत्यादि के सहयोग से केम्प लगाकर लोगो का टीका करण कराया | कोविड-19 के महामारी का रूप धारण कर लेने पर संसार के अनेको वैज्ञानिको ने उसे रोकने के लिए वेक्सिन बना कर वेक्सिन लगाने की तैयारी की और हमारे देश में भी बीमारी के निदान के लिए टीकाकरण का कार्य करके लोगो की जान बचाने का प्रयास किया जा रहा था तब भी ज्यादातर लोग वेक्सिन लगवाने से डर रहे थे और गाँव गाँव में तरह तरह की भ्रामक अफवाहे फेलना शुरू हो गई | जिसके कारण गाँव में ज्यादातर लोग टीका लगवाने पर छिप रहे थे अथवा लगाने आने वालो के साथ मारपीट कर रहे थे | राजसमन्द में अजीम जी प्रेम जी फाउंडेशन के साथ कई संस्थाओ ने मिलकर टीकाकरण का कार्य किया जिसमे राजसमन्द जन विकास संस्थान ने भी **दो ब्लॉक राजसमन्द व खमनोर** की **4 P.H.C.** में यह कार्य करने की जिम्मेदारी निभाई | इस कार्य में

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम

संस्था द्वारा **5 पंचायतो राज्यावास , भाटोली, मोही,घाटी, कुंवारिया में तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम** चलाया गया | पांचो ग्राम पंचायत में तम्बाकू नियंत्रण प्रोग्राम का आयोजन किया गया |जिसमे पंचायत के सरपंच, सचिव, सहायक सचिव एवं गाँव के नागरिको ने भाग लिया | बैठक में तम्बाकू के सेवन करने से हमारी शरीर में होने वाले नुकसानों से अवगत कराया गया | एवं सार्वजनिक स्थानों पर नशीली चीजो का सेवन नही करना चाहिए शपथ ली गई |

ग्राम पंचायत भाटोली, राज्यावास, मोही,घाटी, कुंवारिया द्वारा संकल्प लिया गया की वो सिगरेट व् अन्यतम्बाकू उत्पादों का अधिनियम करवाएगे एवं सभी ग्राम पंचायतो के सभी स्थानों पर तम्बाकू उत्पाद का दुष्प्रभाव की जानकारी करवाना |तम्बाकू उत्पादों से नाबालिक को मुक्त करवाएगे समस्त ग्राम पंचायतो में तम्बाकू उत्पादों जैसे पान-मसाला गुटखा व् अन्य तम्बाकू उत्पादों को बेचने वाले समस्त दुकानदारो का पंजीयन करवाया जाएगा

जिसमे सार्वजनिक स्थानों, स्कुलो के 100 मीटर की दुरी तक कोई धुम्रपान नही बेच सकता ,एवं दुकानों पर नाबालिग नही बेच सकता और बेचने वाले के पास लाईसेंस होना चाहिए यह कार्यक्रम 5 पंचायतो में सम्पूर्ण हुआ | संस्था के द्वारा

चुनोतिया :-
ग्रामसभा का समय से न होना |

सरपंच, सचिव का समय पर नही मिलना |

उपलब्धिया :-

- तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 5 पंचायतो के लोगो को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया |
- पंचायत में संस्थान की पहचान होना |

महिला मंच संगठन

परिचय :- वर्ष 1993 में राजसमन्द जिला बनने के पश्चात् जिले में महिला विकास कार्यक्रम की शुरुआत हुई | जिसके द्वारा महिलाओं को जागरूक करने का काम शुरू हुआ | महिला विकास कार्यक्रम के साथ सरकार ने प्रत्येक जिले में एक संस्थान को भी महिलाओं को जागरूक व प्रशिक्षण करने के लिए जोड़ा जिसके द्वारा संस्थान ने जिले में महिलाओं की स्थिति का आंकलन करने के लिए जिले के गाँव गाँव में सम्पर्क के दोरान पाया की ज्यादातर महिलाए अशिक्षित है और अन्धविश्वास, रुढ़िवादी परम्पराव से जकड़ी हुई है |महिलओं की स्थिति में बदलाव लाने के लिए

उद्देश्य :-

- महिलाओं को संगठित कर उनको मजबूत बनाना |
- समाज में समानता के लिए उपयुक्त वातावरण का निर्माण करना |
- महिलाओं की सामाजिक व शेक्षणिक स्थिति में बदलाव लाना |

महिला मंच द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम :-

- नारी अदालत
- अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस
- आइसोलेशन सेंटर
- स्वयं सहायता समूह

नारी अदालत

नारी अदालत जो की 11 भिन्न जाति की महिलाओं द्वारा संचालित की जा रही है,यह एक ऐसा कार्यक्रम है ,जो महिलाओं के द्वारा, महिलाओं के द्वारा, महिलाओं क्र लिए संचालित किया जा रहा है | दुखी और पीड़ित महिला कोर्ट की कठिन प्रक्रिया, वकील को देने वाली फ़ीस तथा थाने में जाने से डरती है इसीलिए वे महिला मंच में आती है व यह के पारिवारिक माहोल में अपनी समस्याओ का समाधान करती है | खास बात यह है की ज्यादातर फेसले हमारे देश, समाज व परिवार में

पुरुष ही करते है |किन्तु यंहा फेसले महिलाए करती है |संस्था में हर महीने की 2 तारीख और 20 तारीख को

नारी अदालत

बच्चे को पुनः मिली मां की छांव

राजसमंद। पति द्वारा 6 माह के बच्चे को छिन के ले जाने के मामले को लेकर केलवाड़ा निवासी महिला ने महिला मंच को सहारा लिया। इस पर महिला मंच की ओर से महिला की मदद करते हुए पुनः उसके बच्चे से मिलाया।

महिला मंच की संयोजिका शकुन्तला पामेचा ने बताया किकेलवाड़ा निवासी गमेती समाज की महिला अपने माता पिता के साथ महिला मंच कार्यालय पर पहुंच अपने पति द्वारा छीन कर ले जाए गए बच्चे को पुनः दिलाने की गुहार लगाई। इस पर कार्यालय में मौजूद मंच की कार्यकर्ताओं ने महिला के पति को दूरभाष पर वार्ता कर बुलाया। लेकिन महिला के पति ने बच्चे के उदयपुर चिकित्सालय में भर्ती होने के कारण आने के असमर्थता जताई। इस पर मंच की दो कार्यकर्ता महिला को साथ लेकर उदयपुर चिकित्सालय पहुंची जहां पर बच्चे को सरकारी चिकित्साय में भर्ती करवाया जा रहा था। महिला को देखकर उसका पति तमतमा गया। उसके बाद

कार्यकर्ताओं ने महिला के सास ससुर से वार्ता कर इस बारे में कानूनी जानकारी देते हुए समझाई की। इस पर सास सुसर द्वारा बच्चे को लेजाने की सहमति जताई। इसके बाद मंच की कार्यकर्ता गीता कुंवर, सुनीता खटिक, देऊ बाई के प्रयासों से ही बच्चे को पुनः मां की गोद मिल पाई कार्यवाही करते हुए मंच की कार्यकर्ताओं ने बच्चे को अपनी मां के हवाले करवाया। बच्चे के मां के पास सुरक्षित पहुंचने पर संस्था के सभी कार्यकर्ताओ ने और महिला ने खुशी व्यक्त की।

अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक के महिला हिंसा के आंकड़े

कुल केस	निस्तारित	ख़ारिज
38	33	5

वर्ष 2004 से मार्च 2022 तक के महिला हिंसा आंकड़े :-

कुल केस	निस्तारित	ख़ारिज
2062	1632	430

अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस

राजसमन्द महिला मंच के कार्यालय पर 10 मार्च 2022 को अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन एक विशेष थीम “लोक तंत्र में हमारा अधिकार ” पर आयोजित किया गया जिसमे जिले की छ: ब्लॉक की 300 महिलाओ ने उल्लासपूर्वक हिस्सा लेते हुए महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न पहलुओ पर चर्चा की | संगठन द्वारा पूर्व में “महिला किसान और सेहत की वाटिका” पर महिला दिवस आयोजित किया गया था जिसमे कोरोना काल से प्रभावित गरीब परिवार की 300 महिलाओं का सर्वे किया गया | सर्वे के अनुसार पाया गया की ज्यादा तर महिलाए पन्द्रह दिन में एक बार या दो बार ही हरी सब्जीयो का उपयोग भोजन में करती है, इसीलिए उन महिलाओं की कुपोषित स्थिति को देखते उन्हें सब्जी व फल के बीज व पोधे वितरित | गए उन बीजो को महिलाओं द्वारा अपने किचन गार्डन में व गमलो में स्थापित किया गया जिनसे उन्हें हरी सब्जिया प्राप्त हुई |इसकी जानकारी उन्होंने उनके किचन गार्डन में लगी सब्जियों व फलो के फोटो के द्वारा भेजी गई | उनकी सेहत को बहुत फायदा हुआ यह जानकारी उन्होंने इस वर्ष 10 मार्च को आयोजित महिला दिवस कार्यक्रम में दी |कार्यक्रम में उदयपुर की **मेंवाड कलेक्टिव** द्वारा महिलाओं को कपडे से निर्मित सेनेटरी नेपकिन वितरित किये गए | कार्यक्रम के **मुख्य अथिति विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमान मनीष वैष्णव एवं विशिस्ट अथिति विकास अधिकारी भुवनेश्वर सिंह चोहान, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहलता कोठारी,अतिरिक्त पुलिस**

मेवाड़ कलेक्टिव की लाड द्वारा

प्रभाव :-

- ✓ **300 महिलाओं का आना |**
- ✓ **फल और बीज प्राप्त करने के एक वर्ष बाद कुपोषण से मुक्ति मिलना |**
- ✓ **महिलाओं को नरेगा में 125 दिन का कार्य प्राप्त होना |**
- ✓ **मेवाड़ कलेक्टिव द्वारा 250 महिलाओं को सेनेटरी नेपकिन वितरित करना |**

चुनोतिया :-

- ➢ **दो वर्ष के कोरोना काल के पश्चात् 300 महिलाओ के आने का संशय होना |**

आइसोलेशन सेंटर कोरोना संक्रमण की गंभीर स्थिति और अस्पताल में मरीजों के लिए डॉक्टर व् बिस्तर ऑक्सीजन की कमी को देखकर ज्यादा – ज्यादा लोगो को अपने – अपने जिले में विभिन्न तरीको से सहयोग देने के लिए कार्य किया जा रहा था | जिसके द्वारा लोग आपसी समन्वयन एवं एक दुसरे से दी जा रही जानकारी के अनुसार अपने – अपने जिले में मरीजों के लिए भोजन ,ऑक्सीजन सलेंडर ,ब्लड डोनेशन ,अस्पताल में स्थान तथा डॉक्टर की राय लेकर मरीजों के लिए व्यवस्था बनाने का कार्य कर रहे थे | उसी समय में जयपुर पी.यु.सी.एल और एस. आर अभियान राजस्थान जयपुर के सहयोग एवं मार्गदर्शन में राजसमन्द महिला मंच द्वारा स्वयं के महिला विकास केन्द्र परिसर में एक सामुदायिक आइसोलेसशन व् सहयोग केन्द्र का शुभारम्भ किया गया |

मंच द्वारा संचालित आइसोलेसशन सेंटर पर 3 नर्स कर्मियों व् 4 संस्था के कार्यकर्ताओं को नियुक्त किया गया | साथ ही राजस्थान जयपुर एवं जिला अस्पताल के डॉ. के सहयोग से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ |आइसोलेशन सेंटर में जुड़ने के बाद नर्स व् संस्था से जुड़े कार्यकर्ताओं को राज्य स्तर की संस्थाओ द्वारा मई माह में विभिन्न प्रशिक्षण दिए गए जिसके कारण आइसोलेशन सेंटर में रह रहे मरीजो का उपचार अच्छी तरह से किया जा सके |

कोरोना पीड़ितों के लिए महिला मंच ने बनाया आईसोलेशन एवं सहयोग केन्द्र

चार ब्लॉक के 50 से अधिक गांव में महिला सदस्याएं करेंगी जागरूक

राजसमंद (प्रातःकाल संवाददाता)। जिला मुख्यालय के सोमनाथ चौराहा स्थित महिला विकास केन्द्र पर पीयूसीएल जयपुर एवं एसआर अभियान राजस्थान जयपुर के सहयोग तथा मार्गदर्शन में गत 24 अप्रेल को सामुदायिक आईशोलेशन व सहयोग केन्द्र प्रारंभ किया गया।

केन्द्र में प्रारंभ किए गए सामुदायिक आईशोलेशन व सहयोग केन्द्र के बारे में जानकारी देते हुए कार्यक्रम प्रभारी एवं महिला मंच संयोजिका शकुंतला पामेचा ने बताया कि वर्तमान में कोरोना संक्रमण के चलते लोगों के जीवन में विपदाएं एवं विषमताएं उत्पन्न हुई है। उनको देखते हुए पीयूसीएल एवं एसआर अभियान राजस्थान के सहयोग से राज्य के 20 जिलों में स्थानीय संस्था व संगठन के साथ मिलकर स्थानीय प्रशासन व राज्य सरकार की निंगरानी तथा मार्गदशन के साथ ही समुदाय की भागीदारी से आईशोलेशन व सहयोग केन्द्र चलाए जा रहे है। इसी के तहत जिला मुख्यालय स्थित महिला विकास केन्द्र पर भी सेंटर का शुभारंभ किया गया है।

इसके लिए जिला कलक्टर एवं एडीएम की ओर से स्वीकृति प्रदान की गई तथा जयपुर उप शासन सचिव चिकित्सा विभाग राजस्थान द्वारा सभी सम्बन्धित जिला कलक्टर को सहयोग करने के लिए पत्र लिखा गया है। उन्होंने बताया कि मंच द्वारा संचालित आईसोलेशन सेंटर पर नियुक्त तीन नर्सिंग कर्मचारियों द्वारा यहां आने वाले रोगियों को सेवा दी जा रही है। साथ ही जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों का सहयोग एवं मार्गदर्शन भी प्राप्त हो रहा है।

कोरोना महामारी में जिन बच्चो के पिता की मृत्यु हुई थी सरकार द्वारा 5 लाख मुआवजे की राशी दी जनि थी | लेकिन कुछ ऐसे परिवार थे जिन्हें इस योजना का लाभ नही मिला था | संस्था द्वारा गाँवो में जागरूकता अभियान के समय सर्वे की गई सर्वे में 71 एसे परिवारों के नाम आए जिन्हें यह लाभ नही मिला |संस्था द्वारा 41 परिवारों का पंजीयन इ- मित्र पर करवाया गया और अन्य 30 परिवारों का पंजीयन रेलमगरा,खमनोर व राजसमन्द ब्लॉक के SDM द्वारा करवाया गया |

उपलब्धि:-

1. **देश में कोरोना माहमारी संकट के समय में लोगो को स्वास्थ्य लाभ दिलाना |**
2. **कोरोना माहमारी में काम आने वाले उपकरणों की जानकारी मिलना**
3. **15000 लोगो से संपर्क कर जागरूक करना |**
4. **सेंटर पर सहयोग देने के लिए डॉक्टर,नर्स, ब्लड की वयवस्था करने वाले एवं भोजन.दवा,एम्बुलेंस की वयवस्था बनाने के लिए समूह बना कर कार्य करना |**

स्वयं सहायता समूह

राजसमन्द महिला मंच द्वारा स्वयं सहायता समूह का निर्माण वर्ष 2021 से किया जा रहा है अभी तक 4 समूहों को बैंक से जोड़ दिया गया है |

स्वयं सहायता समूह का कार्य क्षेत्र:- महिला मंच के अंतर्गत तीन ब्लॉक (राजसमन्द, रेलमगरा, खमनोर) की 11 पंचायतो के 15 गाँव में स्वयं सहायता समूह का निर्माण किया जा रहा है |

उद्देश्य :- महिलाओ को सशक्त व स्वावलंबी बनाना |

महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करना |

स्वयं सहायता समूह का कार्य क्षेत्र:- के अंतर्गत तीन ब्लॉक व ग्यारह पंचायतो के पन्द्रह गाँव में स्वयं सहायता समूह का निर्माण किया जा रहा है |

ब्लॉक	पंचायत	गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य
3	11	15	15	161

उपलब्धि :-

1. **15 समूह निर्माण |**
2. **4 समूहों का बैंक से जुडाव |**

एक राष्ट्र एक राशन कार्ड

एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना:-संस्था द्वारा एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना के अंतर्गत सर्वे का कार्य किया गया | जिसका तात्पर्य यह है की एक राशन कार्ड से देश के सभी भागो में राशन का मिलना | इसमें ऐसे परिवारों का सर्वे करना था जो बाहर रोजगार करते ही एवं अलग राज्य, अलग जिला, अलग ब्लॉक में जाकर कार्य कर रहे है उनको अपने राशन कार्ड से राशन मिलता है या नही |यह कार्य 25 दिसम्बर से 30 दिसम्बर तक राजसमन्द जिले की **एमडी पंचायत के नोगामा एवं रेलवे स्टेशन में 50 मजदुर परिवार का सर्वे** करके किया गया |इस कार्य को करने के लिए राशन डीलर से बात की गई तो उन्होंने बताया की किराये रहने वाले मजदुर भी हमारे यंहा राशन लेने आते है और हम सभी को राशन देते है

उपलब्धि :- सर्वे में यह जानकारी प्राप्त की गई की 7 राज्यों के 50 लोग जो की अन्य जिले व अन्य राज्य के थे वह राजस्थान के राजसमन्द जिले में रह रहे थे, उनमे से केवल 3 परिवारों को ही राशन मिल रहा था और 47 परिवार को इसके जानकारी ही नही थी की उन्हें भी राशन मिल सकता है |

चुनोतिया :-50 ऐसे परिवारों को ढूँढना जो कि अन्य राज्य व अन्य जिले से आए हो |

पुस्तकालय

दिनांक 10 जनवरी को राजसमन्द जन विकास संस्थान व महिला मंच के तत्वाधान में संस्थान के परिसर में पुस्तकालय का उद्गाटन किया गया |

पुस्तकालय खोलने का उद्देश्य :- क्षेत्र में पढने वाले युवक युवतियों को ऐसा स्थान प्रदान करना जन्हा आकर वह अपने सपने को पूरा कर सके और शांत एवं प्रदूषण रहित वातावरण में अपनी शिक्षा पूर्ण कर सके | कार्यक्रम का उद्गाटन जिला शिक्षा अधिकारी सुषमा भानावत व

पुस्तकालय का उद्घाटन करते हुए |

पुस्तकालय परिसर का किया शुभारंभ

राजसमंद (प्रात:काल संवाददाता)। जन विकास संस्थान एवं महिला मंच की ओर से युवाओं के लिए सोमनाथ चौराहा स्थित संस्थान कार्यालय में सोमवार को पुस्तकालय परिसर का शुभारंभ किया गया। शुभांरभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुषमा, विशिष्ट अतिथि एसआरके प्राचार्या डॉ. शकुंतला शर्मा, संस्थान कोषाध्यक्ष ललिता शर्मा उपस्थित थी। जबकि अध्यक्षता संस्थान निदेशिका शकुंतला पामेचा ने की।

ज्ञापन और रैली

संगठन द्वारा महिलाओं द्वारा जिला कलेक्टर को कई मुद्दों पर ज्ञापन सोपे जैसे **5 घरेलू हिंसा के , 2 नरेगा सम्न्धित, प्रवासी मजदूरों की समस्या ,10 वर्षीय बालिका के दुष्कर्म होने पर अपराधी को सजा देना आदि ज्ञापन दिए गये ।**

महिला हिंसा

प्रभाव:-

- ✓ नरेगा मजदूरो का कार्य दिवस बढ़ाया गया |
- ✓ नरेगा में कार्य करने वाले मजदूरो को सरकार द्वारा राशन दिया गया |
- ✓ प्रशासन व सरकार पर दबाव बनाना | कोरोना काल में लोगो को नरेगा का काम दिलवाना |

न्याय की मांग पर महिला मंच ने निकाली रैली

राजसमंद (प्रात:काल संवाददाता)। दुष्कर्म की शिकार हुई पीड़ित नाबालिग बालिका को न्याय दिलाने के साथ ही बालिका के भविष्य को लेकर विभिन्न मांगों को लेकर महिला मंच की ओर बुधवार को कांकरोली बस स्टेण्ड से जिला कलेक्ट्रेट परिसर तक रैली निकाली गई। मंच संयोजिका शकुंतला पामेचा ने बताया कि दुष्कर्म का शिकार हुई बालिका सरकार से न्याय और उसके उज्जवल भविष्य को लेकर मंच की ओर से रैली निकाली गई और जिला कलक्टर अरविंद कुमार पोसवाल एवं एसपी सुधीर चौधरी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में राज्य सरकार से पीड़ित बालिका व उसके परिवार का पुनर्वास करने, मामला फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाए जाने, बालिका का मनोचिकित्सक के सान्निध्य में उचित ईलाज करवाए जाने, पीड़ित प्रतिकर के तहत जल्द से जल्द पीड़िता को मुआवजे राशि दिलाए जाने, पीड़ित बालिका के भविष्य के लिए शिक्षा की उचित व्यवस्था करने आदि मांगों को प्रमुखता से रखा गया है। इस अवसर पर मंच संयोजिका शकुंतला पामेचा, शबाना परवीन, दिव्या नंगारची, हरिता, शारदा खटीक, गीता कुंवर, देऊ बाई, हीरा बाई, सुशीला खटीक, पुष्पा सिंघवी, ललिता शर्मा, लता खिंची, उषा रेगर, यशोदा सहित किशोरियों दुर्गा गायरी, केसर गायरी, लक्ष्मी, गांव के तोफान बंजारा, रामचंद्र सालवी, दिनेश कालबेलिया, ओटो ड्राइवर एसोसिएशन अध्यक्ष मेवालाल खटीक, अन्ना टाइगर, अशोक पहाड़िया, अशोक खिंची, अम्बेश पहाड़िया, महेन्द्र पहाड़िया आदि सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित थे।

महिला मंच एवं जन विकास संस्थान ने सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो/ नवज्योति, राजसमंद। राष्ट्रीय शोक दिवस के आंदोलन के तहत सूचना एवं रोजगार अधिकारी अभियान एवं रोजी रोटी अभियान के दौरान महिला मंच तथा जन विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में राशन व्यवस्था, प्रवासियों के लिए खाद्यान्न सहायता तथा स्वतः जोड़ी जाने वाली श्रेणियों के व्यक्तियों के खाद्य सुरक्षा का लाभ प्रदान किए जाने को लेकर सोमवार को पीएम नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम महिला मंच निदेशिका शकुंतला पामेचा सहित कार्यकर्ता लता खिंची, उषा रेगर, ममता सोनी, हरिता केआर, शबाना परवीन, जमना, दिव्या, संगीता चौधरी, यशोदा सोनी आदि कार्यकर्ताओं ने जिला कलक्टर अरविंद कुमार पोसवाल को ज्ञापन सौंपा। निदेशिका शकुंतला पामेचा ने बताया कि कोविड-19 के तहत देश में लागू लोक डाउन के कारण विशेष तोर पर मजदूरों व किसानों पर इसका प्रभाव अधिक पड़ा है। लगभग 670 से अधिक मजदूर पैदल चलते हुए भूख और प्यास एवं दुर्घटनाओं में मारे गए। वहीं पालायन करने वाले मजदूरों को घर व रोटी की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लोक डाउन के कारण कई मजदूर महिला-पुरुषों के काम धंधे बंद हो गए है और नौकरियां तक छिन गई है। ऐसे में उनके सामने रोजगार की सबसे बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। इसी के तहत हर नागरिक को 15 किलो अनाज के साथ दाल और तेल आवश्यक राशन प्रतिमाह दिए जाने के साथ ही उन्हें रोजगार मुहैया कराया जाएग जिससे की उनकी आवश्यकता पूरी हो सके।

रैली

जवाबदेहीं रैली

मजदुर किसान शक्ति संगठन द्वारा राजसमन्द जिले में जवाब देही रैली का आयोजन किया गया |रैली का उदेश्य सरकार द्वारा लोगो के कार्य की सुनवाई नही होने पर उनके ऊपर भी जवाबदेही कानून बनना चाहिए ताकि कानून की पालना नही करने वाले को भी दण्डित किया जा सके | रैली में संस्था के 30 महिलाओ सहित 4 कार्यकर्ताओ के भाग लिया | महिलाओं ने अपनी समस्या कलेक्टर के समक्ष रखी | संस्था द्वारा रैली में भाग लेने वाले राजस्थान के

विशेष

संस्था सदस्य दलीप एवं सुरभि नेगी द्वारा कुम्भलगढ़ के 4 स्कुल एवं राजसमन्द के 3 स्कुल में 300 गरीब बच्चो को सर्दी के मौसम में

कार्यशाला

सुचना एवं रोजगार अधिकार अभियान पर दो दिवसीय कार्यशाला

सुचना रोजगार अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यशाला लोकतंत्र शाला मजदूर किसान शक्ति संगठन कार्यालय गाँव बड़ी का बढ़िया भीम में आयोजित की गयी | संस्था के कार्यकर्ता रीना द्वारा भाग लिया गया |

बैठक के उद्देश्य रोजगार गारंटी अधिनियम पर चैन्नी

साईबर अपराध – जयपुर में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गयाp0- जिसमे बताया गया की साईबर अपराध क्या है ,किससे होता है और इसे किस तरीके से कम कर सकते है |कार्यशाला में संस्था की कार्यकर्ता चंदा वैष्णव व फिल्ड से नेतृत्वकर्ता कुसुम गमेती द्वारा भाग लिया गया

राजसमन्द जन विकास संस्थान के आंकड़े वर्ष 2015 से मार्च 2022

1. **83611** लोगो को कोरोना काल में जागरूक कर टीकाकरण करवाया गया |
2. **283** बाल वधुओ को जागरूक कर प्रशिक्षित किया गया |
3. **293** किशोर – किशोरियों का क्षमता वर्धन किया गया |
4. **1055** ग्रामीण लोगो को कोरोना काल में राशन वितरण किया गया |
5. **300** शहरी लोगो को कोरोना काल में राशन वितरण किया गया |
6. **760** महिलाओं व किशोरियों को सेनेटरी नेपकीन वितरित किये गए |
7. **9233** महिलाओं व किशोर किशोरियों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया |
8. **2977** किशोरियों को शिक्षा से जोड़ बाल विवाह को रोका गया |
9. महिला सलाह सुरक्षा केंद्र द्वारा **1681** महिलाओ को हिंसा से राहत दिलाई गई|

महिला मंच संगठन आंकड़े वर्ष 2004

1. **9875** महिलाओ को जागरूक कर संगठन सदस्य बनाया गया |
2. **16550** महिलाओं को महिला दिवस कार्यक्रम में जोड़कर जागरूक किया गया |
3. **4000** महिलाओ द्वारा **107** ज्ञापन दिये गए व महिलाओं की समस्या का समाधान किया गया|
4. **15941** लोगो का टीकाकारण करवाया गया व संस्था द्वारा **10 बेड का आइसोलेशन सेंटर** खोला गया |
5. **197** किशोर किशोरियों को पालनहार योजना से लाभान्वित किया गया |
6. **26441** लोगो को स्वास्थ्य शिविर द्वारा लाभान्वित किया गया |
7. **2048** महिलाओं का क्षमतावर्धन किया गया |
8. **228389** लोगो को विभिन्न बैठको द्वारा जागरूक किया गया |
9. **303** बाल विवाह रुकवाए गए |
10. **1400** महिलाओ को एकल व वृद्धा पेंशन से लाभान्वित किया गया |
11. **826** महिलाओं को आय संवर्धन प्रशिक्षण दिया गया |
12. नारी अदालत की महिलाओं द्वारा **2063** महिलाओं को हिंसा से राहत दिलाई गई |
13. **118** परिवारो की आजीविका सुनिश्चित करवाई गई |
14. **1046** परिवारों को बैंक से कर्ज माफ़ कराया |